तर्ज--जाना था हमसे दूर

सुख अरश अजीम के अपने कहां गये
जो रात दिन पिया जी तुमने हमे दिये

1--ऐसी नजर फिराई कि सब कुछ भुला दिया
नजरो ही तो इश्क के सागर सदा पिये

2--अंग हम सुभान के और आपके है तन
निज आनन्द में हमें अब तो उठाइये

3--सुंदरता स्वरूप की सिनगार नूर का
उनको देखे बिन तो जमाने गुजर गये

4--प्रीतम मेरे प्राण के मीठे मेरे महबूब
मीठी रसना के वचन मीठे सुनाइये

Nijanand App